पेवर मशीन के बजाय मजदूरों से सड़क बनवा रहा जेडीए ठेकेदार!

निवारू और कालवाड़ रोड पर सीमेंट सड़क निर्माण में भारी धांधली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जेडीए जोन-12 में निवारू और कालवाड़ रोड पर सीमेंट सड़क निर्माण कार्य में भारी धांधली हो रही है। यहां टैंडर की शर्तों और जी-शेड्यूल को धत्त बताते हुए ठेकेदार अपने फायदे के लिए जनता से जुड़े कामों में लीपापोती कर रहा है। दोनों जगहों पर पेवर मशीन की जगह मजदूरों से सड़क बनवाई जा रही है, लेकिन इंजीनियर्स की मेहरबानी के चलते ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं हो रही। इंजीनियर, येन केन ठेकेदारों को संरक्षण देने में लगे हुए है। लगातार शिकायतों के बावजूद भी अफसरों पर इसका कोई असर नहीं हो रहा।

गौरतलब है कि निवारू और कालवाड़ रोड पर जलभराव की समस्या दूर करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने दोनों जगहों पर पेवर मशीन से सीमेंट सडक निर्माण कार्य के टेंडर निकाले हैं, ताकि पेवर

- जेडीए इंजीनियर्स भी मौका स्थल पर नहीं पहुंच रहे, गड़बड़ियों की आंखें मूंदी

मशीन से टिकाऊ एवं मजबूत सड़क बनाई जा सके। परंतु दोनों ही जगह पर ठेकेदार फर्म पेवर मशीन के बजाय मजदूरों से सड़क बनवा रहा है। जबकि जी शेडयूल में फर्म को भारी-भरकम (मशीन रेट पर) भुगतान भी स्वीकृत है। परंतु मौके पर मशीन नदारद है और ठेकेदार मजदूरों से हाथ से काम करवाकर अपना मुनाफा बढ़ा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक टैंडर शर्तों और जी-शेड्यूल के मुताबिक दोनों जगहों पर पेवर मशीन से कार्य होना है एवं ठेकेदार फर्म को भुगतान भी पेवर मशीन के हिसाब से होना है।

परंतु पड़ताल की गई तो दोनों जगहों पर सीमेंट सड़क निर्माण कार्य में कई खामियां नजर आई। सड़क बनाने के लिए रेडीमेड सीमेंट का घोल गाड़ियों में आया हुआ था। एक के बाद एक गाड़ी से सीमेंट घोल खोदी गई जगह पर डाला जा रहा था। मजदूर उस घोल को फावड़े से तय सड़क सीमा में फैला रहे थे। हाथ से चलने वाली छोटी वाइब्रेटर मशीन से रेडीमेड घोल को तय लेवल में किया जा रहा था। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि, यहां तो सड़क बनाने में मजदूर ही काम करते हैं। सड़क की मजबूती के लिए लोहे का प्रयोग भी कम किया जा रहा है, ज्वाइंट में भी लोहे के सरिये नहीं लगाए जा रहे हैं। सड़क का लेवल भी सही नहीं है। मौके पर जेडीए का कोई इंजीनियर नहीं आता, यहां तो सड़क मजदूरों के भरोसे ही बन रही है।

नाबालिग छात्रा की मौत पर परिजनों का हंगामा

जयपुर। प्रताप नगर में एक अपार्टमेंट के पोर्च की छत पर 16 वर्षीय स्कूली छात्रा का शव मिलने के मामले ने रविवार को नया मोड ले लिया। मृतका के परिजन हत्या का आरोप लगाते हुए अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठ गए और शव लेने से इनकार कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस राजनीतिक दबाव में मामले को आत्महत्या साबित करने का प्रयास कर रही है।

धरने पर बैठे परिजनों ने एक युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उसने इंस्टाग्राम के माध्यम से नाबालिग छात्रा से दोस्ती की थी। परिजनों के अनुसार युवक स्वयं को एक विधायक का दोहिता बताता था। उनका आरोप है कि करीब 5 से 7 दिन पहले उन्होंने युवक को बेटी से बातचीत करने से मना किया था, जिसके बाद उसने छात्रा को धमकी दी थी। परिजनों ने पुलिस जांच पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शुरुआत में पुलिस ने छात्रा के अपार्टमेंट में आने से इनकार किया था। ऐसे में यदि छात्रा अपार्टमेंट में नहीं आई थी तो उसका शव पोर्च की छत पर कैसे मिला। परिजनों ने अपार्टमेंट के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा कि इससे पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सकेगी। गौरतलब है कि शनिवार सुबह

- हत्या का आरोप लगाकर शव लेने से किया इनकार
- अपार्टमेंट के पोर्च की छत पर 16 वर्षीय छात्रा का शव मिलने का मामला

करीब साढ़े सात बजे छात्रा का शव उसके घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित एक अपार्टमेंट के प्रथम तल के पोर्च की छत पर मिला था। छात्रा करीब 12 घंटे पहले रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई थी। घटनास्थल की मुख्य छत से छात्रा की चप्पल और चश्मा भी बरामद हुए थे, जिससे मामला शुरू से ही संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हत्या-आत्महत्या दोनों पहलुओं से जांच जारी है। शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया जा रहा है। पुलिस के अनुसार परिजनों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को जांच में शामिल किया गया है। फिलहाल मेडिकल बोर्ड की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सार-समाचार

डॉ. सतीश पूनिया का अभिनंदन किया

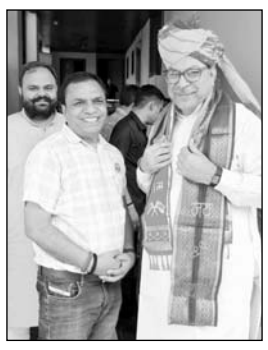

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता, राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किए जाने पर राधाकृष्णन शिक्षक संघ जयपुर ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। पूनियां के जयपुर स्थित निवास पर संघ के जिलाध्यक्ष कैलाश चंद्र सैन के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. पूनिया से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें साफा, शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया तथा मुंह मीठा कराकर बधाई दी। कैलाश चंद्र सैन ने कहा कि "डॉ. सतीश पूनिया का राज्यसभा में जाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। वे सदैव शिक्षक हितों के प्रति संवेदनशील रहे हैं और जमीनी स्तर की समस्याओं को समझते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे उच्च सदन में राजस्थान की आवाज को मजबूती से उठाएंगे और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जेडीए कॉलोनी बक्सावाला में पौधारोपण

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं डेजर्ट इवेंट्स की ओर से जेडीए कॉलोनी बक्सावाला में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों व युवाओं में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बापू नगर सेंटर संचालिका बी.के. जयंती दीदी एवं अर्जुन नगर सेंटर संचालिका बी.के. भावना दीदी रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ होम्योपैथ, आचार्य एवं चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य तथा मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम में 101 बच्चों, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा 101 विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर डेजर्ट इवेंट्स के निदेशक मनीष लोकवाणी, दुर्गा वर्मा, कौशल सत्यार्थी, दिलीप, पवन, जया, खुशी सहित निरमा यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज के इंटर्न भी मौजूद रहे।

यूनियन पदाधिकारियों को निर्वाचन

जयपुर। ऑल राजस्थान एसबीआई एम्पलाईज़ एसोसिएशन (एआईबीईए) की आमसभा अध्यक्ष डी.के.जैन की अध्यक्षता में तारक भवन सभागार में संपन्न हुई। बैठक में एसबीआई की शाखाओं से प्रदेशभर से बैंक कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में यूनियन के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। साथ ही राहुल पांडे को महासचिव एवं साथी कमलेश गुप्ता को अध्यक्ष राम किशन शर्मा कोषाध्यक्ष, एम.एम.शर्मा उप महासचिव, शैलेंद्र सिंह संगठन सचिव निर्वाचित किया गया। बैंक कर्मियों की आम सभा को राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लॉईज यूनियन के महासचिव महेश मिश्रा ने वर्तमान बैंकिंग क्षेत्र की गतिविधियों एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सहकार नेता साथी सूरज भान सिंह आमेरा ने लेबर कोड्स में हो रहे संशोधनों के संभावित परिणामों के बारे में बैंक कर्मियों को जागरूक किया। उन्होंने पीएलआई, 5 दिन का सप्ताह और स्थानांतरण नीति पर विचार रखें। आमेरा ने बैंक प्रबंधन द्वारा सेवा शर्तों के विपरीत किए जा रहे मनमाने ट्रांसफर, तथा सुरक्षा गार्ड एवं सफाई कर्मचारियों की अस्थायी भर्ती का कड़ा विरोध किया गया। आम सभा को आर जी शर्मा, महेश शर्मा, रामबाबू गुप्ता, बनवारी लाल, राजेन्द्र शर्मा ने सम्बोधित किया। यूनियन अध्यक्ष एवं वाइस चेयरमैन साथी डी. के. जैन ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी।

मिनिएचर पैंटिंग की बारीकियां सिखाई

जयपुर। सिटी पैलेस प्रांगण में चल रहे सांस्कृतिक विरासत अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर में शिल्पगुरू बाबूलाल मारोटिया समेत रामू रामदेव व हरिनारायण मारोटिया विद्यार्थियों को मिनिएचर पेंटिंग की बारीकियां सिखा रहे हैं। शिल्पगुरू बाबूलाल मारोटिया ने बताया कि इस कला में जो विभिन्न शैलियां है। उन शैलियों के आधार पर चित्र बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कला की बारीकियां जैसे कैसे ब्रश चलाते हैं, कौनसे रंगों को काम लेते हैं, रंगों को कैसे बनाया जाता है आदि के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है। गौरतलब है कि शिविर में अधिकतर चित्र राधा-कृष्ण, राग-रागनियों पर आधारित है, जो हाथ से बने कागज(वसली) पर बना रहे हैं। अभी तक पेंसिल से स्केच करना, वसली पर सफेद रंग से बैस तैयार करना, रंगों को बनाना व रंगों को वसली पर भरना आदि तकनीक समझायी जा रही है। इसके बाद बैकग्राउंड बनाना, फैस बनाना, मोती लगाना, बोडर बनाना सिखाया जाएगा। शिविर के दौरान विद्यार्थी एक महीने में एक ही पेंटिंग ही तैयार कर सकेंगे। गौरतलब है कि इस शिविर में पारंपरिक लघु चित्रकला, संगीत, नृत्य, भाषा, लेखन, नाटक, स्कैचिंग, टेक्सटाइल ब्लॉक प्रिंटिंग, आराइश का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

4 करोड़ रु. के मादक पदार्थ के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

आरोपियों से 23 क्विंटल डोडा चूरा जब्त, एस्कॉर्ट कर रही इनोवा सहित ट्रक भी जब्त किया पुलिस ने

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्पेशल टीम (सीएसटी) ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए करीब 23 क्विंटल (2300 किलोग्राम) अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। सीएसटी ने बस्सी पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार करोड़ रुपए आंकी गई है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के नेटवर्क की निगरानी कर पुख्ता सूचना के आधार पर बस्सी थाना क्षेत्र में नाकाबंदी की है।

पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली। ट्रक में प्लास्टिक के 91 कट्टों में भरा करीब 23 क्विंटल डोडा चूरा मिला।

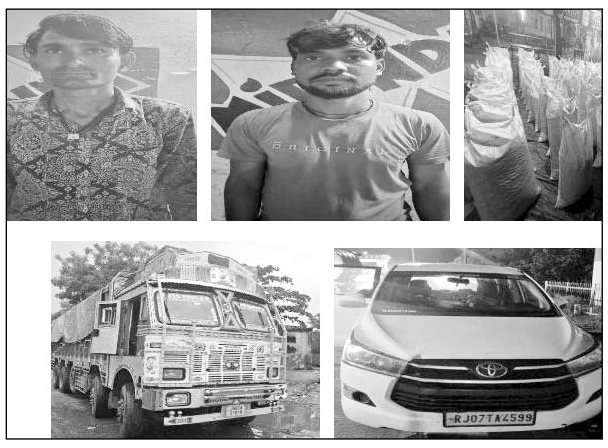

पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मौके से तस्कर शाहिद खान निवासी मोडर रांची (झारखंड) तथा सायर राम जाट निवासी बिलाड़ा जिला जोधपुर को को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि तस्कर खेप को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ट्रक के आगे एक इनोवा क्रिस्टा चला रहे थे। यह वाहन रास्ते की रेकी करने और पुलिस गतिविधियों पर नजर रखने का काम कर रहा था। पुलिस ने इनोवा को भी जब्त कर वाहन पर लगे नंबरों की भी जांच की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि डोडा चूरा की यह खेप कहां भेजी जानी थी तथा इसके पीछे सक्रिय मुख्य सरगना कौन है।

जेडीए ने मई में 65 ले-आउट व बिल्डिंग प्लान को मंजूरी दी

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) शहर के सुनियोजित विकास के साथ-साथ अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नई पहल कर रहा है। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि मई 2026 के दौरान जेडीए ने ले-आउट एवं बिल्डिंग प्लान से जुड़े कुल 65 प्रकरणों और परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

मई में आयोजित बीपीसी-एलपी समिति की बैठकों में कुल 58 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 48 प्रकरणों को अनुमोदन दिया गया। स्वीकृत मामलों में पुनर्गठन एवं उपविभाजन के 13, आवासीय एकल भूखंड के 11, आवासीय योजनाओं के 7, गैर-आवासीय एकल भूखंड के 4 तथा अन्य श्रेणी के 13 प्रकरण शामिल हैं। शहर में आवासीय एवं व्यावसायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से बीपीसी-बीपी समिति ने मई माह में कुल 17 निर्माण परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। इनमें 8 आवासीय, 4 संस्थागत, 2 मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड यूज), 1 व्यावसायिक, 1 होटल तथा 1 रिसॉर्ट परियोजना शामिल है।

दिवंगत जवान के परिवार को दी 11.22 लाख रुपए की सहायता

जयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) ने अपने दिवंगत जवान के परिवार के प्रति संवेदनशीलता और पारिवारिक एकजुटता का परिचय देते हुए स्वर्गीय जवान जितेंद्र सिंह के परिजनों को 11 लाख 22 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह राशि एसडीआरएफ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से एक दिन का वेतन योगदान कर एकत्रित की गई।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसडीआरएफ) रुपिंदर सिंह तथा कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल का उद्देश्य दिवंगत जवान के परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करना और यह संदेश देना था कि एसडीआरएफ अपने प्रत्येक साथी एवं उसके परिवार के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। उल्लेखनीय है कि एसडीआरएफ राजस्थान की जी कंपनी में बीकानेर संभाग मुख्यालय पर तैनात जवान जितेंद्र सिंह का 29 मार्च 2026 को बीमारी के कारण असामयिक निधन हो गया था। उनके निधन से एसडीआरएफ परिवार में शोक की लहर दौड़ गई थी।

इसी क्रम में सहायक कमांडेंट जग्गू राम ने ग्राम नोखा स्थित दिवंगत जवान के निवास पर पहुंचकर उनकी धर्मपत्नी एवं पुत्र को 11 लाख 22 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर कंपनी कमांडर राकेश कुमार, प्लाटून कमांडर सुभाष चंद्र सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

युवक का अपहरण, मारपीट कर 41 हजार रुपए ठगे

जयपुर। आमेर क्षेत्र में ऑनलाइन फ्रॉड और लूटपाट का एक नया मामला सामने आया है। बदमाशों ने बिजनेस मीटिंग के बहाने एक युवक को आमेर बुलाकर उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर बंधक बनाया, मारपीट की और धमकाकर उसके मोबाइल से 41 हजार 500 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। एएसआई जगराम ने बताया कि गंगापोल निवासी जितेंद्र ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार 24 मई को एक चैटिंग ऐप के माध्यम से उसकी अज्ञात व्यक्तियों से बातचीत शुरू हुई थी। इसके बाद ऐप और मोबाइल कॉल के जरिए कथित बिजनेस डील को लेकर लगातार संपर्क बना रहा।

आरोपियों ने बिजनेस मीटिंग का झांसा देकर जितेंद्र को आमेर में एक निर्धारित लोकेशन पर बुलाया। वह अपनी बाइक से वहां पहुंचा, जहां पहले से मौजूद चार युवकों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि बदमाश उसे जबरन एक सुनसान जगह पर ले गए और वहां उसके साथ मारपीट की।

पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर उसके मोबाइल से 41 हजार 500 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। वारदात के बाद बदमाशों ने पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। बदमाशों के चंगुल से छूटने के बाद पीड़ित ने आमेर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल नंबर, चैटिंग ऐप पर हुई बातचीत और बैंक ट्रांजैक्शन की जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

चोरी की 5 बाइक के साथ दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में लूट, चोरी और नकबजनी के 21 मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोर मोहम्मद इब्राहिम (29) निवासी नाहरी का नाका (शास्त्री नगर) हाल भट्टा बस्ती और राधेश्याम उर्फ छोटू (24) निवासी जिला रोहतास (बिहार) तथा हाल मुरलीपुरा को दादी का फाटक स्थित आरओबी पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने उक्त मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने वाहन चोरों की निशानदेही पर पुलिस ने पांच चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कीं। प्रारंभिक पूछताछ

में सामने आया कि दोनों आरोपी पहले अपनी मोटरसाइकिल से विभिन्न कॉलोनियों और गलियों में घूमकर रेकी करते थे। इसके बाद देर रात सुनसान स्थानों पर खडे दोपहिया वाहनों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी करते थे। आरोपियों ने मुरलीपुरा के अलावा चित्रकूट, सदर और खोरा बीसल थाना क्षेत्रों में भी वाहन चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

थानाधिकारी विरेंद्र कुरील ने बताया कि आरोपित इब्राहीम के खिलाफ भट्टा बस्ती, शास्त्री नगर, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा, रामगंज, संजय सर्किल, बनी पार्क और गलता गेट थाना क्षेत्रों में लूट, चोरी और नकबजनी के 21 मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी विरेंद्र कुरील ने बताया कि मुरलीपुरा थाने में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने दादी का फाटक स्थित आरओबी पुलिया के पास से दो संदिग्धों को चोरी की मोटरसाइकिल सहित हिरासत में लिया। इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक बजरंगलाल, हैड कांस्टेबल राजेन्द्र प्रसाद तथा कांस्टेबल सन्नी, रोहिताश, पूरणमल, रविशंकर और महावीर सिंह शामिल रहे।

फर्जी एफ.एम.जी.ई. सर्टिफिकेट से पंजीयन कराने वाले तीन डॉक्टर गिरफ्तार

एसओजी ने इस मामले में अब तक 100 से अधिक संदिग्ध विदेशी मेडिकल स्नातकों की पहचान की, जांच शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विदेश से एमबीबीएस करने के बाद भारत में चिकित्सकीय पंजीयन के लिए आवश्यक एफएमजीई स्क्रीनिंग परीक्षा के फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाकर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तीन डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 100 से अधिक संदिग्ध विदेशी मेडिकल स्नातकों की पहचान की जा चुकी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि विदेश से एमबीबीएस करने के बाद भारत में चिकित्सकीय पंजीयन के लिए आवश्यक एफएमजीई स्क्रीनिंग परीक्षा के फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाकर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के मामले में

गिरफ्तार आरोपी दीपक यादव, राजू गुर्जर और नरेश गुर्जर

एसओजी ने दीपक यादव (28) निवासी चौमूं जयपुर, राजू गुर्जर (28) निवासी रामबाग डीग - भरतपुर और नरेश गुर्जर (30) निवासी कठूमर जिला अलवर को गिरफ्तार किया है।

एसओजी की जांच में सामने आया कि दीपक यादव ने कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद कई बार एफएमजीई परीक्षा दी, लेकिन सफल नहीं हुआ। इसके बाद उसने मुख्य आरोपी भानाराम माली के नेटवर्क के जरिए करीब 24 लाख रुपये देकर फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाया और उसके आधार पर राजकीय मेडिकल कॉलेज दौसा में इंटर्नशिप की।

- जांच में सामने आया है कि फर्जीवाडे गिरोह का सरगना भानाराम माली प्रत्येक व्यक्ति से फर्जी प्रमाण-पत्र और मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के एवज में 20 से 30 लाख रुपये तक वसूलता था।

इसी प्रकार राजू गुर्जर ने भी कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद एफएमजीई परीक्षा में सफलता नहीं मिलने पर 27 लाख रुपये देकर फर्जी प्रमाण-पत्र तैयार कराया तथा राजकीय मेडिकल कॉलेज हनुमानगढ़ में इंटर्नशिप की।

नरेश गुर्जर ने 23 लाख रुपये देकर फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट बनवाया और राजकीय मेडिकल कॉलेज अलवर में इंटर्नशिप की। जांच में यह भी सामने आया कि नरेश ने अन्य कई लोगों के लिए भी फर्जी एफएमजीई प्रमाण-पत्र बनवाने में भूमिका निभाई।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि पुलिस थाना एसओजी जयपुर में 4 फरवरी 2026 को दर्ज प्रकरण की जांच की जा रही है। जहां जांच में सामने आया कि विदेश से एमबीबीएस करने वाले कुछ अभ्यर्थियों ने भारत में प्रैक्टिस के लिए अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा पास नहीं की थी। लेकिन उन्होंने कूटरचित प्रमाण-पत्र बनवाकर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन करा लिया।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी भानाराम माली के माध्यम से फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट तैयार कराए गए। इन प्रमाण-पत्रों के आधार पर कई विदेशी मेडिकल स्नातकों ने राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की तथा राजस्थान मेडिकल काउंसिल में अस्थायी पंजीयन भी प्राप्त कर लिया। इस पूरे प्रकरण में मेडिकल काउंसिल के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आई है। वही अब तक 100 से अधिक ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने फर्जी एफएमजीई प्रमाण-पत्र बनवाए थे।

उप महानिरीक्षक पुलिस (एसओजी) भुवन भूषण यादव ने बताया कि इस मामले में पूर्व में फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर इंटर्नशिप और पंजीयन कराने वाले 17 डॉक्टरों, राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर, एलडीसी फरहान हसन, मुख्य आरोपी भानाराम माली तथा एक दलाल को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जांच में सामने आया है कि भानाराम माली प्रत्येक व्यक्ति से फर्जी प्रमाण-पत्र और मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के एवज में 20 से 30 लाख रुपये तक वसूलता था।

एसओजी अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।